HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | **DARE** TO SERVE | **DELIVER** WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : AUGUST 20, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results

CONTACT INFO:
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

EMAIL ID:
info@sixsigmaias.com

WEB PAGE:
www.sixsigmaias.com

ADDRESS:
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

प्रश्न 1. बहमनी साम्राज्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बहमनी साम्राज्य की राजधानी प्रारंभ में बीदर में थी, जिसे सुल्तान अलाउद्दीन बहमन शाह ने बाद में गुलबर्गा में स्थानांतरित किया।
2. बहमनी शासकों ने फ़ारसी शिल्पकारों और विद्वानों के प्रवास को प्रोत्साहित किया, जिससे दक्कन की इंडो-इस्लामिक स्थापत्य कला पर गहरा प्रभाव पड़ा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- बहमनी साम्राज्य की स्थापना 1347 ई. में अलाउद्दीन बहमन शाह ने की थी। इसकी प्रारंभिक राजधानी **गुलबर्गा (अहसनाबाद)** थी, न कि बीदर।
- बाद में **अहमद शाह प्रथम (1422–1436 ई.)** के शासनकाल में राजधानी को **बीदर** स्थानांतरित किया गया, जिससे सांस्कृतिक और स्थापत्य विकास का नया दौर प्रारंभ हुआ।
- बहमनी शासक **फ़ारसी संस्कृति के संरक्षक** थे। उन्होंने फ़ारस और मध्य एशिया के विद्वानों, वास्तुकारों तथा कारीगरों को आमंत्रित किया, जिससे एक विशिष्ट **इंडो-फ़ारसी-दक्कनी स्थापत्य शैली** का विकास हुआ, जैसे **महमूद गवां मदरसा** इसका उदाहरण है।
  अतः कथन 1 गलत है और कथन 2 सही है।

प्रश्न 2. भारत की राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (NAPCC) के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन-सा मिशन मुख्य रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है?
(a) राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता संवर्धन मिशन (National Mission on Enhanced Energy Efficiency)
(b) सतत कृषि हेतु राष्ट्रीय मिशन (National Mission for Sustainable Agriculture)
(c) सतत आवास हेतु राष्ट्रीय मिशन (National Mission on Sustainable Habitat)
(d) राष्ट्रीय जल मिशन (National Water Mission)

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता संवर्धन मिशन (NMEEE)** को 2008 में **NAPCC** के अंतर्गत प्रारंभ किया गया था।
- इसका उद्देश्य उद्योगों, विशेषकर **MSME क्षेत्र**, में ऊर्जा दक्षता को बढ़ाने के लिए **बाज़ार-आधारित तंत्रों** को सशक्त करना है।

- इसके प्रमुख घटक हैं:
    - **Perform, Achieve and Trade (PAT)**
    - **Market Transformation for Energy Efficiency (MTEE)**
- यह मिशन भारत के **GDP की ऊर्जा तीव्रता को कम करने** और **सतत आर्थिक विकास** को प्रोत्साहित करने के लक्ष्यों के अनुरूप है।

प्रश्न 3. भारत में "वेज़ एंड मीन्स एडवांसेज़ (WMA)" के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. WMA, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकारों को उनके प्राप्तियों और व्ययों में अस्थायी असंतुलन को पूरा करने हेतु अल्पकालिक ऋण सुविधा के रूप में दी जाती है।
2. WMA पर ब्याज दर का निर्धारण वित्त आयोग द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है।
3. केंद्र सरकार और प्रत्येक राज्य सरकार के लिए WMA की सीमाएँ भिन्न होती हैं, जिन्हें RBI से परामर्श करके तय किया जाता है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **वेज़ एंड मीन्स एडवांसेज़ (WMA)**, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकारों को **अल्पकालिक नकदी प्रवाह असंतुलन** को दूर करने हेतु दी जाने वाली **अस्थायी ऋण सुविधा** है।
- WMA पर ब्याज दर **RBI की रेपो दर** से जुड़ी होती है, न कि वित्त आयोग द्वारा निर्धारित (अतः कथन 2 गलत)।
- WMA की सीमाएँ समय-समय पर RBI द्वारा **केंद्र और राज्य सरकारों से परामर्श करके** तय की जाती हैं। अतः कथन 1 और 3 सही हैं।

प्रश्न 4. भारत में लोकपाल और लोकायुक्तों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. लोकपाल में एक अध्यक्ष और अधिकतम आठ सदस्य होते हैं, जिनमें से पचास प्रतिशत न्यायिक पृष्ठभूमि से होते हैं।
2. लोकपाल का अधिकार क्षेत्र प्रधानमंत्री को शामिल करता है, परंतु केवल अंतरराष्ट्रीय संबंधों और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित भ्रष्टाचार के मामलों तक सीमित है।
3. प्रत्येक राज्य को, लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के प्रारंभ से एक वर्ष के भीतर लोकायुक्त की स्थापना करना अनिवार्य है।
4. लोकपाल को भ्रष्टाचार से अर्जित संपत्ति की कुर्की और जब्ती का आदेश देने का अधिकार प्राप्त है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?
(a) केवल 1, 3 और 4
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम, 2013** के अनुसार, लोकपाल में एक **अध्यक्ष** और अधिकतम **आठ सदस्य** होते हैं, जिनमें 50% **न्यायिक सदस्य** तथा 50% **SC/ST/OBC/अल्पसंख्यक एवं महिलाओं** से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाता है (कथन 1 सही)।
- प्रधानमंत्री लोकपाल के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, परंतु **अंतरराष्ट्रीय संबंधों, आंतरिक और बाह्य सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष** से संबंधित मामलों को इससे **बहिष्कृत** किया गया है (कथन 2 गलत)।
- अधिनियम के अनुसार, प्रत्येक राज्य को **एक वर्ष के भीतर लोकायुक्त की स्थापना** करना अनिवार्य है (कथन 3 सही)।
- लोकपाल को **भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988** के अंतर्गत भ्रष्ट आचरण से अर्जित संपत्ति की **कुर्की और जब्ती** का आदेश देने का अधिकार प्राप्त है (कथन 4 सही)।
  अतः कथन 1, 3 और 4 सही हैं।

प्रश्न 5. (कथन – कारण प्रकार)
कथन **(A):** हाइड्रोजन ऊर्जा को शून्य-उत्सर्जन ईंधन माना जाता है क्योंकि इसके दहन से केवल जलवाष्प उत्पन्न होती है।
कारण (R): भाप-मीथेन सुधार (Steam Methane Reforming) द्वारा हाइड्रोजन का औद्योगिक उत्पादन पूर्णतः नवीकरणीय और कार्बन-मुक्त प्रक्रिया है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, परंतु R असत्य है।
(d) A असत्य है, परंतु R सत्य है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- हाइड्रोजन, जब ईंधन के रूप में प्रयोग होता है, तो यह ऑक्सीजन के साथ मिलकर **केवल जलवाष्प (H_2O)** उत्पन्न करता है। इसलिए इसे **शून्य-उत्सर्जन ईंधन** माना जाता है (आरोप सत्य)।
- किन्तु औद्योगिक स्तर पर हाइड्रोजन का प्रमुख उत्पादन तरीका — **भाप-मीथेन सुधार (Steam Methane Reforming, SMR)** — प्राकृतिक गैस का उपयोग करता है और **कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन** करता है, अतः यह **न तो नवीकरणीय है और न ही कार्बन-मुक्त** (कारण असत्य)।
- केवल **ग्रीन हाइड्रोजन**, जो **नवीकरणीय ऊर्जा से इलेक्ट्रोलिसिस** द्वारा उत्पन्न होती है, वास्तव में कार्बन-मुक्त कही जा सकती है।
  अतः आरोप सत्य है, परंतु कारण असत्य।

दैनिक अभ्यास प्रश्न – करंट अफेयर्स अनुभाग से

प्रश्न 1. प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. PMDDKY, 100 ऐसे जिलों को लक्षित करती है जिनकी कृषि उत्पादकता लगातार कम रही है, और इसमें सिंचाई, भंडारण तथा विपणन संपर्कों में सुधार हेतु लगभग ₹24,000 करोड़ का छह वर्षीय प्रावधान शामिल है।
2. PMDDKY के अंतर्गत सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया है; केवल सरकारी एजेंसियाँ और कृषक समूह ही इस योजना के अंतर्गत अवसंरचना परियोजनाएँ लागू कर सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है।** प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY) एक **केंद्रीय प्रायोजित योजना** है जो 100 कम उत्पादक जिलों पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य **सिंचाई (सूक्ष्म-सिंचाई सहित)**, भंडारण, प्रसंस्करण, फसल विविधीकरण, और ऋण तक पहुँच जैसे क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से कृषि उत्पादकता बढ़ाना है। योजना का कुल वित्तीय प्रावधान लगभग **₹24,000 करोड़ (छह वर्षों के लिए)** है।
- **कथन 2 गलत है।** योजना में **कई हितधारकों की भागीदारी** का प्रावधान है, जिसमें **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP)** के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया है। अवसंरचना विकास में **सरकारी एजेंसियों, कृषक उत्पादक संगठनों (FPOs), सहकारी संस्थाओं** आदि को भी शामिल किया गया है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प आयुर्वेदिक विज्ञानों के केंद्रीय अनुसंधान परिषद (CCRAS) के अंतर्गत **SPARK–4.0** का मुख्य उद्देश्य सही रूप में दर्शाता है?
(a) आयुर्वेदिक औषधियों का व्यावसायीकरण करना और BAMS स्नातकों को अनिवार्य लाइसेंस प्रदान करना।
(b) स्नातक आयुर्वेद छात्रों को अनुसंधान का व्यावहारिक अनुभव और छोटे अन्वेषणात्मक प्रोजेक्ट्स हेतु छात्रवृत्तियाँ प्रदान करना।
(c) 2026 तक सभी आयुर्वेदिक अस्पतालों को एकल राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य अभिलेख प्लेटफ़ॉर्म में परिवर्तित करना।
(d) पारंपरिक आयुर्वेद पाठ्यक्रम को पूर्णतः साक्ष्य-आधारित बायोमेडिकल पाठ्यक्रम से प्रतिस्थापित करना।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **SPARK–4.0, Studentship Programme for Ayurveda Research** का चौथा संस्करण है।

- इसका उद्देश्य **आयुर्वेद (BAMS) स्नातक छात्रों** में अनुसंधान की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना है।
- यह कार्यक्रम छात्रों को **अनुसंधान-आधारित परियोजनाओं के लिए छात्रवृत्ति, परामर्श, एवं अल्पकालिक अनुसंधान प्रशिक्षण** प्रदान करता है।
- यह न तो औषधियों के व्यावसायीकरण हेतु है, न ही पारंपरिक पाठ्यक्रम को बदलने हेतु।

प्रश्न 3. भारत टैक्सी (Bharat Taxi) पहल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत टैक्सी को एक **सहकारी स्वामित्व वाले राष्ट्रीय राइड-हेलिंग प्लेटफ़ॉर्म** के रूप में परिकल्पित किया गया है, जिसका उद्देश्य ड्राइवरों को अधिक भागीदारी और उचित आय प्रदान करना है; इसे सरकारी सहकारी संस्थाओं का समर्थन प्राप्त है।
2. इस पहल के राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ की लक्षित समयसीमा **दिसंबर 2025** है, और इसे **राष्ट्रीय ई-शासन प्रभाग (NeGD)** के तत्वावधान में एक सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के रूप में विकसित किया जा रहा है।
3. भारत टैक्सी की प्रारंभिक प्रशासनिक संरचना में **निजी वेंचर कैपिटल (VC)** निवेशकों को बोर्ड में बहुमत प्रदान किया गया है ताकि बाज़ार विस्तार और निवेशक संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 और 2 सही हैं।** भारत टैक्सी एक **सहकारी-आधारित डिजिटल राइड-हेलिंग प्लेटफ़ॉर्म** है, जो ड्राइवरों को बेहतर स्वामित्व और आय-साझेदारी का अवसर प्रदान करेगा। यह पहल **सहकारी संस्थाओं के समर्थन** से विकसित हो रही है, तथा **NeGD** की तकनीकी सहायता से **दिसंबर 2025** तक राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ की जाएगी।
- **कथन 3 गलत है।** इसकी प्रशासनिक संरचना **सहकारी नेतृत्व आधारित** है, न कि **वेंचर कैपिटल बहुमत नियंत्रण** पर आधारित। इसमें **सहकारी क्षेत्र के प्रतिनिधियों** को प्राथमिकता दी गई है।

प्रश्न 4. भारत–यूके कनेक्टिविटी एवं इनोवेशन सेंटर (CIC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. CIC एक द्विपक्षीय भारत–यूके पहल है, जिसमें दोनों देशों द्वारा £24 मिलियन (चार वर्षों में) की संयुक्त प्रतिबद्धता है, जिसका उद्देश्य दूरसंचार क्षेत्र में अनुप्रयुक्त अनुसंधान, परीक्षण-स्थल (testbeds) और वैश्विक मानकों पर कार्य करना है।
2. CIC का एक उद्देश्य 6G मानकों और स्वदेशी दूरसंचार उत्पाद विकास में भारत की नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने के लिए व्यावसायिक परीक्षण-स्थलों का विकास करना है।
3. CIC के लिए वित्त पोषण केवल यूके सरकार द्वारा किया जाता है; भारत का दूरसंचार विभाग (DoT) केवल तकनीकी भागीदार है, वित्तीय योगदान नहीं करता।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 और 2 सही हैं।** CIC, भारत और यूके के बीच एक **द्विपक्षीय पहल** है, जिसके तहत दोनों सरकारें लगभग **£24 मिलियन (चार वर्षों में)** संयुक्त रूप से निवेश कर रही हैं। इसका फोकस **संयुक्त अनुसंधान, परीक्षण-स्थलों का विकास**, और **6G तथा दूरसंचार मानकीकरण में भारत की भूमिका** को सशक्त करना है।
- **कथन 3 गलत है।** CIC के लिए **वित्त पोषण दोनों सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है**। भारत का **दूरसंचार विभाग (DoT)** इसमें तकनीकी एवं वित्तीय दोनों रूपों में भागीदार है।

प्रश्न 5. प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY) के क्रियान्वयन से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जिला स्तर पर क्रियान्वयन का समन्वय **जिला धन-धान्य समितियों** द्वारा किया जाएगा, जिनमें 11 विभागों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है।
2. इस योजना में सभी 100 जिलों में समान प्रकार के हस्तक्षेपों को अनिवार्य रूप से लागू करने का प्रावधान है ताकि मानकीकरण सुनिश्चित किया जा सके।
3. **मृदा स्वास्थ्य कार्ड (Soil Health Card)** आधारित हस्तक्षेप तथा **सूक्ष्म-सिंचाई (ड्रिप/स्प्रिंकलर)** तकनीकें योजना के प्रमुख घटकों में शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 और 3 सही हैं।** योजना का कार्यान्वयन **जिला धन-धान्य समितियों** के माध्यम से किया जाएगा, जिनमें **विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि (कुल 11 विभाग)** सम्मिलित हैं। योजना में **मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित हस्तक्षेप** तथा **सूक्ष्म-सिंचाई प्रणालियाँ (ड्रिप और स्प्रिंकलर)** प्रमुख प्राथमिकताओं में हैं।
- **कथन 2 गलत है।** PMDDKY को **लचीला और क्षेत्र-विशिष्ट योजना** के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जिसमें प्रत्येक जिले की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप हस्तक्षेपों को लागू किया जाएगा, न कि सभी जिलों के लिए एक समान मॉडल अपनाया जाएगा।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

जीएस पेपर 1
प्रश्न 1. 20वीं शताब्दी में सर्वसत्तावादी विचारधाराओं — फासिज़्म, साम्यवाद और पूंजीवाद — के उदय की विवेचना कीजिए। इन विचारधाराओं ने वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था को किस प्रकार आकार दिया?

उत्तर:

परिचय:
20वीं शताब्दी में तीन शक्तिशाली विचारधाराएँ — **फासिज़्म, साम्यवाद और पूंजीवाद** — उभरीं, जिन्होंने राजनीतिक सत्ता और सामाजिक-आर्थिक ढाँचों को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास किया। ये विचारधाराएँ **प्रथम विश्व युद्ध के बाद की निराशा, आर्थिक संकटों और राजनीतिक अस्थिरता** की पृष्ठभूमि में विकसित हुईं।

मुख्य भाग:

• **फासिज़्म (Fascism):**

- उद्भव: इटली में **बेनीटो मुसोलिनी** के नेतृत्व में उत्पन्न हुआ और बाद में **नाज़ी जर्मनी** में फैला।
- विशेषताएँ: **सत्तावादी राष्ट्रवाद, सैन्यवाद, असहमति का दमन**, तथा व्यक्ति की तुलना में राज्य की सर्वोच्चता।
- **प्रभाव:** फासिज़्म ने **विस्तारवादी आक्रामकता** को जन्म दिया, जो **द्वितीय विश्व युद्ध** और मानवता की व्यापक पीड़ा का कारण बनी।

• **साम्यवाद (Communism):**

- आधार: **मार्क्सवादी सिद्धांत** पर आधारित, पूंजीवादी शोषण के विरुद्ध प्रतिक्रिया के रूप में उभरा।
- उदाहरण: **1917 की बोल्शेविक क्रांति** (लेनिन और स्टालिन के नेतृत्व में) ने राज्य-नियंत्रित अर्थव्यवस्था और एकदलीय शासन की स्थापना की।
- **प्रभाव:** विश्व दो खेमों में बँट गया — **पूंजीवादी (अमेरिका)** और **साम्यवादी (सोवियत संघ)**, जिससे **शीत युद्ध** की शुरुआत हुई। चीन, क्यूबा और पूर्वी यूरोप में भी साम्यवादी क्रांतियाँ हुईं।

• **पूंजीवाद (Capitalism):**

- समर्थक: **संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिमी लोकतंत्र।**
- विशेषताएँ: **मुक्त बाजार व्यवस्था, निजी संपत्ति, व्यक्तिगत उद्यमिता**, और राज्य के सीमित हस्तक्षेप की वकालत।
- **प्रभाव:** द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पूंजीवाद ने **वैश्वीकरण, नवाचार और उपभोक्तावाद** को बढ़ावा दिया, किंतु **आय असमानता और पर्यावरणीय चुनौतियों** को भी जन्म दिया।

वैश्विक प्रभाव:
• शीत युद्ध के दौरान विश्व **द्विध्रुवीय (Bipolar)** हो गया — अमेरिका बनाम सोवियत संघ।
• उपनिवेशवाद के अंत के साथ नव-स्वतंत्र देशों ने **समाजवादी कल्याण और लोकतांत्रिक शासन** का मिश्रण अपनाया।
• **1991 में सोवियत संघ के पतन** के बाद **उदार पूंजीवाद** विश्व व्यवस्था का प्रमुख आधार बना।

निष्कर्ष:
20वीं शताब्दी की वैचारिक प्रतिस्पर्धा ने न केवल वैश्विक गठबंधनों को परिभाषित किया बल्कि आज भी **सुशासन, आर्थिक सुधार और कल्याण बनाम बाजार स्वतंत्रता** की बहसों को प्रभावित करती है। 21वीं शताब्दी **लोकतांत्रिक पूंजीवाद और सामाजिक न्याय** के संतुलन की खोज में है।

जीएस पेपर 2
प्रश्न 2. भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने में स्वतंत्र संस्था के रूप में **भारत निर्वाचन आयोग (ECI)** की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

उत्तर:

परिचय:
संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्थापित भारत निर्वाचन आयोग (ECI) लोकतांत्रिक प्रक्रिया का रक्षक है। यह संसद, राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों का संचालन करता है।

मुख्य भाग:

• संवैधानिक अधिकार:

- निर्वाचन आयोग को **निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण से लेकर मतगणना** तक की संपूर्ण प्रक्रिया का अधिकार प्राप्त है।
- **मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC)** को सुरक्षा प्रदान की गई है — पद से हटाने के लिए **सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जैसी प्रक्रिया** अपनाई जाती है।
- आयोग को **वित्तीय स्वायत्तता** भी प्राप्त है।

• उपलब्धियाँ:

- 900 मिलियन से अधिक मतदाताओं के लिए चुनाव आयोजित करना — विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक अभ्यास।
- **इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM)** और **VVPAT** का प्रयोग पारदर्शिता हेतु।
- **आचार संहिता (MCC)** का प्रवर्तन ताकि सभी दलों को समान अवसर मिले।
- **SVEEP कार्यक्रम** के माध्यम से मतदाता जागरूकता बढ़ाना।

• चुनौतियाँ और आलोचना:

- सत्तारूढ़ दलों के प्रति **पक्षपात के आरोप**।
- **CEC की नियुक्ति प्रक्रिया** में कार्यपालिका का प्रभाव — कोई स्वतंत्र कोलेजियम प्रणाली नहीं।
- **आचार संहिता का असमान प्रवर्तन**।
- कुछ राज्यों में **संसाधन की कमी और चुनावी हिंसा** से विश्वसनीयता प्रभावित।

• सुधार आवश्यक:

- **स्वतंत्र नियुक्ति आयोग/कोलेजियम प्रणाली** (सुप्रीम कोर्ट की 2023 की सिफारिश)।
- **मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट को वैधानिक आधार** देना।
- **राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द करने** की शक्ति आयोग को देना।

निष्कर्ष:
निर्वाचन आयोग भारतीय लोकतंत्र की **आत्मा** है। इसकी स्वायत्तता, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करना आवश्यक है ताकि **"मुक्त और निष्पक्ष चुनाव"** की भावना सदैव अक्षुण्ण रहे।

जीएस पेपर 3
प्रश्न 3. भारत में अवसंरचना विकास में **सार्वजनिक–निजी भागीदारी (PPP)** मॉडलों के महत्व की चर्चा कीजिए। इनके समक्ष चुनौतियाँ बताते हुए प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उपाय सुझाइए।

उत्तर:

परिचय:
सार्वजनिक–निजी भागीदारी (PPP) वह तंत्र है जिसमें सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर सार्वजनिक अवसंरचना या सेवाओं का विकास करते हैं। यह **सरकारी जवाबदेही** और **निजी दक्षता** का संयोजन है।

मुख्य भाग:

• **महत्व:**

- अवसंरचना निवेश अंतर को पाटना (भारत को 2030 तक लगभग **$1.5 ट्रिलियन** की आवश्यकता)।
- **नवाचार और परियोजना प्रबंधन** में दक्षता।
- **जोखिम-साझेदारी** से सरकार पर वित्तीय बोझ कम होता है।
- सफल उदाहरण: **दिल्ली मेट्रो (DMRC), GMR हैदराबाद एयरपोर्ट, NHAI के BOT मॉडल**।

• **भारत में प्रमुख PPP मॉडल:**

- **Build–Operate–Transfer (BOT)**
- **Design–Build–Finance–Operate (DBFO)**
- **Hybrid Annuity Model (HAM)**
- **Viability Gap Funding (VGF)**

• **चुनौतियाँ:**

- अनुबंध विवाद और **जोखिम वितरण की खामियाँ।**
- **भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय मंज़ूरियों** में देरी।
- **वित्तीय तनाव** और नीतिगत अनिश्चितता।
- PPP अनुबंधों की **निगरानी में सरकारी संस्थाओं की सीमित क्षमता।**

• **सुधारात्मक उपाय:**

- **केलकर समिति** की सिफारिशों को लागू करना।
- **3P इंडिया संस्था** की स्थापना क्षमता-विकास हेतु।
- **पारदर्शी विवाद निपटान तंत्र** और यथार्थवादी जोखिम-साझेदारी।
- स्वास्थ्य, शिक्षा, लॉजिस्टिक्स जैसे **क्षेत्र-विशिष्ट PPP मॉडल्स** को बढ़ावा देना।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

निष्कर्ष:
PPP भारत की विकास गाथा का अनिवार्य घटक है। **संस्थागत सुधारों और संतुलित जोखिम प्रबंधन** के माध्यम से PPP मॉडल **समावेशी, सतत और लचीली अवसंरचना** के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभा सकता है — जो **विकसित भारत 2047** के लक्ष्य का आधार बनेगा।

जीएस पेपर 4 (नीतिशास्त्र)
प्रश्न 4. "सार्वजनिक संस्थानों की अखंडता, व्यक्तियों की अखंडता पर निर्भर करती है।" इस कथन की व्याख्या नैतिक शासन के परिप्रेक्ष्य में कीजिए।

उत्तर:

परिचय:
संस्थान केवल संविधानिक संरचना से नहीं, बल्कि उन्हें संचालित करने वाले व्यक्तियों की **नैतिकता और चरित्र** से अपनी शक्ति प्राप्त करते हैं। **नैतिक शासन (Ethical Governance)** की नींव **अखंडता, निष्पक्षता और जवाबदेही** पर टिकी होती है।

मुख्य भाग:

• **अखंडता का अर्थ:**

- अपने मूल्यों, सिद्धांतों और आचरण में **संगति (Consistency)** बनाए रखना।
- यह सार्वजनिक सेवा का एक **मुख्य नैतिक गुण** है।

• **सार्वजनिक संस्थानों में महत्व:**

- **भ्रष्टाचार और शक्ति के दुरुपयोग** को रोकता है।
- **नागरिकों का विश्वास और वैधता** स्थापित करता है।
- **निर्णय-प्रक्रिया में पारदर्शिता और वस्तुनिष्ठता** सुनिश्चित करता है।
- **लोकतांत्रिक जवाबदेही** को सुदृढ़ करता है।

SIXSIGMAIAS
Dream | Care | Deliver

• **उदाहरण:**

- **टी.एन. शेषन (पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त)** — नैतिक साहस से निर्वाचन आयोग का कायाकल्प किया।
- **ई. श्रीधरन (दिल्ली मेट्रो)** — व्यावसायिक निष्ठा और ईमानदारी का प्रतीक बने।
- इसके विपरीत, जब व्यक्ति **व्यक्तिगत लाभ को सार्वजनिक कर्तव्य से ऊपर रखते हैं**, तो संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं।

• **नैतिक आचरण को बढ़ावा देने के उपाय:**

- **मूल्य-आधारित प्रशिक्षण** (Civil Services Ethics Modules)।
- **व्हिसलब्लोअर संरक्षण** और **आचार संहिता** का पालन।
- **नेतृत्व द्वारा आदर्श प्रस्तुत करना** ("Tone at the Top")।
- **CVC, CAG, लोकपाल** जैसे संस्थागत नियंत्रणों को सशक्त बनाना।

निष्कर्ष:
कानून और ढाँचे अनैतिकता को सीमित कर सकते हैं, किंतु नैतिक शासन तभी संभव है जब व्यक्ति स्वयं **अखंडता का उदाहरण** प्रस्तुत करें। जैसा कि **महात्मा गांधी** ने कहा — "आप वही परिवर्तन बनिए जो आप संसार में देखना चाहते हैं।" लोकतंत्र की सेहत अंततः उसके **लोकसेवकों के नैतिक चरित्र** पर निर्भर करती है।

समसामयिक विषय (Current Affairs)
प्रश्न 5. भारत में पारंपरिक कागज़-आधारित परीक्षा प्रणाली के स्थान पर **डिजिटल परीक्षाओं** को एक सतत एवं कुशल विकल्प के रूप में परखिए।

उत्तर:

परिचय:
डिजिटल परीक्षाएँ **तकनीकी-सक्षम शिक्षा शासन (EduTech Governance)** की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम हैं। ये **सततता, दक्षता और पारदर्शिता** का वादा करती हैं तथा **डिजिटल इंडिया मिशन** और **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020** की भावना से जुड़ी हैं।

मुख्य भाग:

• लाभ:

- **पर्यावरणीय स्थिरता:** कागज़ और परिवहन में भारी कमी।
- **दक्षता:** त्वरित मूल्यांकन, प्रशासनिक विलंब में कमी, दीर्घकालिक लागत बचत।
- **पारदर्शिता: पेपर लीक और गड़बड़ियों** की संभावना घटती है।
- **समावेशन:** ग्रामीण या दिव्यांग छात्रों के लिए **एक्सेसिबिलिटी टूल्स** से लाभ।
- **विस्तारयोग्यता: CUET, NEET, UPSC (भविष्य में)** जैसी परीक्षाओं के लिए उपयुक्त।

• चुनौतियाँ:

- **डिजिटल विभाजन (Digital Divide):** ग्रामीण व निम्न-आय वर्ग के छात्रों में कनेक्टिविटी समस्याएँ।
- **साइबर सुरक्षा खतरे** और डेटा लीक।
- **अवसंरचना की कमी:** बिजली आपूर्ति और उपकरण रखरखाव।
- **संस्थागत प्रतिरोध:** पारंपरिक परीक्षाओं से परिवर्तन के प्रति झिझक।

• नीतिगत पहल एवं सुधार:

- NEP 2020 और **डिजिटल इंडिया e-Gov फ्रेमवर्क** ऑनलाइन परीक्षण को प्रोत्साहित करते हैं।
- **राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी** (NTA) द्वारा **कंप्यूटर-आधारित परीक्षा प्रणाली** ने संभावनाएँ सिद्ध की हैं।
- **AI आधारित निगरानी** (proctoring) और **डेटा गोपनीयता ढाँचा** विकसित करने की आवश्यकता।

निष्कर्ष:
डिजिटल परीक्षाएँ भारत की शिक्षा प्रणाली को **हरित, पारदर्शी और डेटा-संचालित** बना सकती हैं, बशर्ते कि **डिजिटल समानता, अवसंरचना और साइबर सुरक्षा** सुनिश्चित की जाए। समावेशी परिवर्तन के माध्यम से ही भारत **शिक्षा के अवसरों के वास्तविक लोकतंत्रीकरण** को प्राप्त कर सकता है।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver